Sky Rocketing Prices of Suger

2754. PROF. NAUNIHAL SINGH: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that suger prices have flared up to a new high, despite the country being flooded with huge stocks;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the measures taken by the Government to check the sky rocketing suger prices;

(d) whether Government's decision to allow suger mills to sell free-sale quota for the current month is restricting the supply and consequently pushing up the prices; and

(e) if so, the reasons, therefor?

THE MINISTER OF FOOD AND MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The measures taken by the Govt. to check the sugar prices are judicious allocation of free sale quota, increase in the supply of levy allocation, creation of buffer stocks of 5 lakh tonnes, etc.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

Census of Bidi Workers in A.P.

2755. SHRI YERRA NARAYANA-SWAMY: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether any census has been conducted of bidi workers in Visakhapatnam, East Godavari and West Godavari districts in Andhra Pradesh;

(b) if so, details of its findings; and

(c) the body which conducted such a censes?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) to (c) The Labour Department of the State Government of Andhra Pradesh conducted a survey during 1995 which revealed that the number of beedi workers in the State was about five lakhs working in 7,330 beedi factories and establishments registered with the State Government.

देश में कोयला भण्डार

2756. श्री अजीत जोगी:
श्री एस॰ एस॰ सुरजेवाला:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस समय कोयले का अनुमानित भंडार कितना है;

(ख) प्रति दिन अनुपानतः कितनी मात्रा में कोयले का खनन किया जा रहा है;

(ग) कोयला खनन की वर्तमान दर के अनुसार कोयला भंडार कब तक समाप्त हो जायेंगे;

(घ) क्या देश में कोयले का उत्पादन इसकी वर्तमान मांग तथा आपूर्ति के लिए पर्याप्त है; और

(ङ) यदि हां, तो विदेशों से कोयले का आयात करने के क्या कारण है?

कोयला राज्य मंत्री (श्रीमती कांति सिंह): (क) से (ग) 1.1.1996 की स्थिति के अनुसार भारतीय भू-सर्वेक्षण द्वारा भारत में (1200 मीटर की गहराई तक) लगभग 202 बिलियन टन कोयले के भंडार होने का अनुमान लगाया गया है, जिसमें से लगभग 70.5 बिलियन टन प्रमाणित श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। भविष्य में बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन दर के वर्द्धित होने पर भी भंडार लगभग 100 वर्षों से अधिक समयावधि तक चलने की संभावना है। 1995-96 के दौरान प्रतिदिन खनन किए गए कोयले की मात्रा औसतन 0.9 मिलियन टन की है।

(घ) और (ङ) इस्पात संयंत्रों को छोड़कर, कोयले का देशीय उत्पादन अधिकांशतः कोयले की घरेलू मांग को पूरा किए जाने के लिए पर्याप्त है और इस्पात संयंत्र निम्न राख वाले कोकिंग कोयले के मुख्य आयातक है, जो कि कोयले की देशीय उपलब्धता तथा मांग के बीच के अंतराल को पूरा किए जाने हेतु देशीय कोयले के